Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to ban use of plastic.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा) : जिस प्लास्टिक को वैज्ञानिकों ने मानव जाति की सुविधा के लिए ईजाद किया था, वह आज समूचे पर्यावरण के विनाश का कारण बनती जा रही है। इसकी सबसे बड़ी खूबी ही दुनिया के लिए खतरनाक बात बन गई है और वह है इसका नष्ट न होना।

इसके चलते हमारी धरती से लेकर समुद्र तट तक हर तरफ प्लास्टिक ही प्लास्टिक है। पीने के पानी में हम प्लास्टिक पी रहे हैं, नमक में प्लास्टिक खा रहे हैं। सालाना लाखों की संख्या में जलीय जीव प्लास्टिक प्रदूषण के कारण मर रहे हैं। इसका सबसे ताजा उदाहरण हाल ही में थाईलैंड में देखने को मिला है जहां एक व्हेल मछली 80 से अधिक प्लास्टिक बैग निगलने के कारण मर गई। जन्तु गाय, भैंस आदि प्लास्टिक खाने से बीमार पड़ जाते हैं। यह प्लास्टिक जलाने से भी पूरी तरह नष्ट नहीं होता है। भारत में 62 वर्षों में 19 लाख टन प्लास्टिक कचरा जमा हो गया है। 2:40 लाख टन प्लास्टिक कचरा नदियों, समुद्रों में होता है। जिसको खाने से लाखों जलचर मर जाते हैं। गंगा, ब्रह्मपुत्र, मेघना रीवर सिस्टम विश्व की सबसे ज्यादा प्लास्टिक प्रदूषित 10 नदियों में से एक है। यह प्लास्टिक मनुष्यों के साथ-साथ जानवरों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव डाल रहा है।

अत: मेरा सरकार से अनुरोध है कि प्लास्टिक के प्रयोग पर संपूर्ण रोक लगाई जाए। इस प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने हेतु कानून बनाए जाए तथा प्लास्टिक प्रदूषण से जंग के लिए लोगों को जागरूक किया जाए और जागरूकता कार्यक्रम बनाए जाये।